सत्ता की कुर्सी, जनता की फ़ाइल

पुराने समय की बात नहीं है, बल्कि उस समय की है जब 'समय' फ़ोन पर नहीं, सरकारी कार्यालयों की घड़ियों में अटका पड़ा था। यह कहानी है राम-राय-नगर के पंचायत भवन की, जो किसी कबाड़ख़ाने से कम नहीं था। जहाँ की दीवारों पर लगे जालें खुद को ऐतिहासिक मानती थीं, और कोने में बैठा बूढ़ा, लठमार, और ज़िद्दी इंसान, श्री ज्ञानप्रकाश उपाध्याय, खुद को इतिहास का रक्षक मानता था। ज्ञानप्रकाश की कुर्सी नहीं थी, बल्कि एक टूटा हुआ तख़्त था, जिस पर वो ऐसे विराजमान थे, जैसे कोई राजा अपनी प्रजा को देखता हो। उनकी दाढ़ी का एक-एक बाल इस तरह उनके पेट में जा समाया था, जैसे किसी सरकारी योजना का पैसा। उनके लिए विकास का मतलब था विकास शब्द को अपनी फ़ाइल पर लिखना, और फिर उस पर बैठकर कुंडली मार लेना। अरे ओए! ज़रा सुन, आज के नौजवानों, वे अपनी खाँसती हुई आवाज़ में कहते, हमारे ज़माने में तो हम फ़ाइल को खुद लाते थे, उसे खुद ही ले जाते थे, और तब भी 25 साल बाद रिटायर होते थे। और तुम हो कि एक फ़ाइल के लिए दिन-रात मिमियाते रहते हो। उनकी आँखों में एक अजीब सी चमक थी, जो सिर्फ़ किसी युवा की उम्मीद को तोड़ कर ही पैदा होती थी। उनकी मेज पर धूल की मोटी चादर थी, जिस पर सौर-ऊर्जा सिंचाई योजना नाम की एक फ़ाइल रखी थी। वो उस पर इस तरह आसन जमाए बैठे थे, मानो किसी पुराने, बुज़ुर्ग ने किसी ख़ज़ाने को छिपा रखा हो। इस फ़ाइल के आसपास मंडराने वाले तीन बेचारे नौजवान थे, माफ़ कीजिएगा, बेचारे नौजवान नहीं, बल्कि गाँव के पढ़े-लिखे बेरोजगार थे। उनके नाम थे सुरेश, रमेश, और महेश। सुरेश के पास किसान का सपना था, रमेश के पास इंजीनियरिंग की डिग्री थी, और महेश के पास था एक कलाकार का दिल। ये तीनों इस सौर-ऊर्जा योजना के लिए कई महीनों से इस पंचायत भवन के चक्कर काट रहे थे। इनकी युवा शक्ति, इनकी सारी उम्मीदें, ज्ञानप्रकाश की उस मेज के सामने धरी की धरी रह गई थीं। इनका संवाद, जो आज की कॉर्पोरेट भाषा में था, ज्ञानप्रकाश के लिए किसी अधार्मिक भाषा जैसा था। यार, इस फ़ाइल में तो हमारे फ्यूचर की पूरी कुंडली है, सुरेश कहता, लेकिन ये कुंडली तो 'हॉरर' फ़िल्म की तरह लग रही है, जिसका अंत बहुत बुरा होने वाला है। रमेश मुस्कुराता और एक दिल का हाल बयां करता, ये तो बिल्कुल 'डॉग इन द मेंजर' वाला केस है। ज्ञानप्रकाश खुद तो योजना का लाभ लेते नहीं, और हमें भी नहीं लेने देते। उनके ये फिल्मी डायलॉग सुनते ही ज्ञानप्रकाश का पारा चढ़ जाता। अबे! कौन है वो डॉग? और कौन सा मेंजर? हमारी हिंदी भाषा की इन्होंने तो बैंड बजा दी है। तुम्हारी भाषा तो न घर की है न घाट की, ज्ञानप्रकाश अपनी आवाज़ में एक ऐसी कड़वाहट घोलते, जो सुनने वाले के कानों में सीधे ज़हर की तरह उतर जाती। बेचारे युवक, जिनका पेट खाली था और मन में निराशा की गहरी खाई थी, बस देखते रह जाते। एक दिन सुरेश ने हिम्मत की और सीधे ज्ञानप्रकाश के सामने जाकर बोला, ज्ञानप्रकाश जी, हम सब इतने पढ़े-लिखे हैं। इंजीनियरिंग, एम.ए., और खेती की पूरी जानकारी भी रखते हैं। अगर ये 'सौर-ऊर्जा योजना' की फाइल आगे बढ़ जाए, तो हमारे गाँव की खेती में क्रांति आ सकती है। सुरेश की बात सुनकर ज्ञानप्रकाश ने अपनी आधी खुली आँखें पूरी तरह खोलीं, जैसे कोई पुराना, जंग लगा दरवाजा खुला हो। उनका चेहरा ऐसे भावों से भर गया मानो सुरेश ने उन्हें कोई राज़ बता दिया हो। ओह! तो तुम सब पढ़े-लिखे हो? मुझे क्या मालूम? तुम तो बस यहाँ आकर टाइम पास करते हो। , वो कटाक्ष करते हुए कहते। अब तुम क्या करोगे इस फाइल का? ये तो सरकार की फाइल है, इसका क्या करोगे? वो इस तरह से पूछते मानो वो कोई निजी ज़मीन हो, जिसे उन्होंने अपने पुश्तैनी अधिकार से हासिल किया हो। उन्हें यह पसंद था कि उनकी कहानी का 'हीरो' वही हैं, और बाकी सब फालतू हैं। ये फाइल तो मैं अपने पोते के लिए रख रहा हूँ, उन्होंने एक दिन रमेश से कहा, जब मेरा पोता बड़ा होगा, तो वो इस फ़ाइल को पढ़कर जानेगा कि हमारी सरकारें क्या-क्या योजनाएँ बनाती हैं। वो भूल चुके थे कि उनके पोते भी एक दिन ऐसी ही फाइलों के लिए दर-दर भटकेंगे, और तब शायद कोई उनके जैसा ही ज्ञानप्रकाश उनके पोते को भी भटकाएगा। पर उन्हें यह बात समझनी नहीं थी, क्योंकि उन्हें तो बस अपनी सत्ता, अपने अहंकार और अपने 'पेट में दाढ़ी' का रुतबा पसंद था। हैं, ज्ञानप्रकाश जी, महेश ने एक दिन उनकी चरण वंदना करते हुए कहा। आप हमें आशीर्वाद दीजिए ताकि हम अपने पैरों पर खड़े हो सकें। ज्ञानप्रकाश ने तुरंत उसे रोक दिया, ये सब फ़िल्मी डायलॉग मुझसे मत मारो। हम 'बाप' नहीं, हम तो सरकार के नुमाइंदे हैं। और मैं तुम्हें आशीर्वाद नहीं, बल्कि 'अधिकार' दे रहा हूँ, ताकि तुम यहाँ आ-जा सको। उनका यह कटाक्ष किसी तलवार की धार से कम नहीं था। उनकी हर बात में एक व्यंग्य होता था, एक मजाक होता था, जो सामने वाले की हँसी नहीं, आँसू निकाल देता था। धीरे-धीरे, इस निराशा का एक गहरा असर उन युवकों पर पड़ने लगा। जिस सुरेश ने किसान बनने का सपना देखा था, जिसने गाँव में क्रांति लाने की बात की थी, अब वो शहर की एक कंस्ट्रक्शन साइट पर दिहाड़ी मजदूर बन गया था। एक दिन जब वो काम कर रहा था, तब उसके पुराने दोस्त ने पूछा, सुरेश, तेरी खेती की पढ़ाई का क्या हुआ? सुरेश ने बस मुस्कुरा दिया। उसकी मुस्कान में दर्द, निराशा, और एक गहरी हार थी। वो सिर्फ हँस रहा था, क्योंकि उसके पास अब रोने के लिए भी कोई कारण नहीं बचा था। दूसरी ओर, महेश, जो कलाकार था, अब अपनी कला को शराब में डुबोने लगा था। उसकी कला में अब रंगों की जगह, एक गहरा कालापन आ गया था। एक दिन, जब सब्र का बाँध टूट गया, तो रमेश ने अपनी पूरी ताकत लगाकर ज्ञानप्रकाश से कहा, ज्ञानप्रकाश जी, आप क्यों ऐसा कर रहे हैं? आप इस फाइल को आगे क्यों नहीं बढ़ने देते? हम सब भूखे मर रहे हैं, हमारे परिवार भूखे मर रहे हैं। रमेश की आँखों में आँसू थे, पर ज्ञानप्रकाश ने उसे नज़रअंदाज करते हुए कहा, ये सब ड्रामेबाज़ी मेरे सामने मत करो। आप तो वो कुत्ता हैं, जो नाद में बैठ कर घोड़ों को घास नहीं खाने देता, रमेश ने कहा। ज्ञानप्रकाश ने इस बात को गंभीरता से नहीं लिया। उन्हें लगा कि ये कोई नया, अजीब सा मुहावरा है, जो आज के बच्चों ने बनाया है। ये क्या 'डॉग' 'डॉग' कर रहा है? मुझे कोई कुत्ता कहता है? मैं कुत्ता हूँ? मैं तो सरकार का एक सम्मानित नागरिक हूँ। और ये जो फाइल है, ये मेरी निजी संपत्ति है, ज्ञानप्रकाश गुस्से से लाल हो गए, उनका चेहरा किसी उबले हुए टमाटर जैसा दिख रहा था। उन्होंने फ़ाइल को जोर से अपनी छाती से लगा लिया, जैसे किसी बचे ने अपनी प्रिय खिलौना छिपा रखा हो। अरे ओ! तुम सब निकल जाओ यहाँ से, और मुझे अपनी शांति से जीने दो। उनकी इस बात ने उन युवकों के दिल को इस तरह तोड़ा, जैसे कोई शीशा टूट कर बिखर गया हो। उनकी सारी उम्मीदें, सारे सपने, सब उसी पल में टूट गए। वे सब चुपचाप वहाँ से चले गए, उनकी आँखों में अब कोई आँसू नहीं थे, बस एक गहरी, भयानक, और दर्दनाक खामोशी थी। उस दिन के बाद पंचायत भवन में सन्नाटा छा गया। सुरेश का किसान पिता फसल खराब होने के बाद आत्महत्या कर बैठा। रमेश ने गाँव को हमेशा के लिए छोड़ दिया। महेश एक रात शराब के नशे में अपनी ही बनाई हुई एक दर्दनाक पेंटिंग के पास मरा हुआ पाया गया। गाँव में सौर-ऊर्जा योजना की कोई बात नहीं हुई। ज्ञानप्रकाश अब भी अपनी कुर्सी पर बैठे थे, उस धूल भरी फ़ाइल को अपनी गोद में लिए। वो खुश थे। सबसे दुखद बात यह है कि उनके जैसे कई ज्ञानप्रकाश, आज भी ऐसी ही फाइलों पर बैठकर, दुनिया को बर्बाद कर रहे हैं। इस बात को सोचकर सिर्फ आँखें ही नहीं, बल्कि आत्मा भी रोती है।

कमला सकलेचा ज्ञान मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन हुआ

भानपुरा।

हमारे देश में त्योहार हमारी संस्कृति एवं संस्कारों का बहुत ही सुंदर प्रकटीकरण है। त्योहारों से दूर भागती आज की पीढ़ी को त्योहारों का महत्व समझना होगा। घर ,परिवार एवं विद्यालय में बच्चे त्योहारों का महत्व समझेंगे, तभी वे इनसे जुड़ पाएंगे। उक्त विचार विद्यालय की चेयरपर्सन नीति मोदी ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी के आयोजन अवसर पर एक संदेश में व्यक्त किए। विद्यालय में आज भव्य रूप से श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राइमरी सेक्शन के नन्हे- मुन्ने बच्चों ने राधा कृष्ण एवं गोपियां बनकर छोटी छोटी गईया छोटे छोटे ग्वाल भजन पर सुंदर प्रस्तुति दी। इसके पश्चात विद्यालय प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम, तथा मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कई विद्यार्थियों ने भाग लिया। पीआरओ अशोक व्यास ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी के साथ-साथ बचपन के महत्व को बताते हुए राधा कृष्ण बने नन्हे मुन्ने बच्चों के सुंदर परिधान की सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य जोबी के अगेंस्टन सहित सभी शिक्षक - शिक्षिकाएं उपस्थित थे। संस्था प्रमुख शरद सकलेचा, सचिव प्रतिभा सकलेचा ने सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

अवैध खनिज परिवहन :

एक लाख से अधिक की शास्तिै आरोपित

नीमच।

कलेक्टरर हिमाशु चंद्रा द्वारा अवैध खनिज परिवहन के एक प्रकरण में अनावेदक पर एक लाख 9 हजार 152 रूपये की शास्ति अधिआरोपित की गई है।

कलेक्टवर ने मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अनावेदक वाहन मालिक विकास पिता राकेश जैन निवासी केसरपुरा तहसील जावद जिला नीमच द्वारा गिट्टी परिवहन हेतु रायल्टी पास पाया गया पर अंकित मात्रा से अधिक परिवहन करने पर खनिज की रायल्टी का 15 गुना अर्थ शास्ति राशि 12600 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 96 हजार 552 रूपए इस प्रकार वाहन चालक ,मालिक पर कुल एक लाख 9 हजार 152 रूपए की शास्ति अधिरोपित की है। खनिज अधिकारी को निर्देशित किया है, कि अधिरोपित जुर्माने की राशि एक लाख 9 हजार 152 रूपए चालान से 15 दिवस के अन्दर शासकीय कोष में जमा होने पर जप्त शुदा वाहन ट्राला क्रमांक ऋ09ब्ब8060 को मुक्त करने के संबंध में नियमानुसार कार्यवाही की जाए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खनिज सर्वेयर द्वारा 7 अगस्तव 2025 को जिला परिवहन कार्यालय नीमच में आरटीओ द्वारा गिट्टी से भरा भरा ट्राला जप्तक किया गया था, इस पर अवैध खनिज ओव्हकर लोड परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया था।

लोक देवता गोगा जी की निकली

सीतामऊ (कानजी भाई)।

सीतामऊ नगर में प्रथम बार गोगा नवमी के उपलक्ष में गोगा जी की छड़ी यात्रा निकाली गई उपरोक्त छड़ी मंदसौर से वाहन द्वारा सीतामऊ लाई गई जहां वेरी माता चौक (आज चौक) में सभी समुदाय के लोग एकत्रित हुए वहीं से ढोल एवं डी.जे के साथ छड़ी की पूजा कर मुख्य मार्ग में होते हुए गणपति चौक तक लेजाई गई जहां गोगा जी की छड़ी को विधिवत पूजा अर्चना कर प्रसाद वितरण किया गया यह गोगा नवमी पर निकलने वाली छड़ी यात्रा का आयोजन नगर में प्रथम बार किया गया

भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय हरकचंद हरसोला के श्रद्धांजली कार्यक्रम में शामिल हुए सैंकडों शुभचिंतक

भानपुरा । भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष स्व. हरकचंद हरसोला के निधन के उपरांत उनकी तीसरी पर आयोजित उठावना एवं शौकसभा में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में समाजजन, भाजपा कार्यकर्ता, पत्रकार, कर्मचारी वर्ग एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुकम चंद सावला, मंदसौर-नीमच सांसद सुधीर गुप्ता, मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री कैलाश चावला, स्थानीय विधायक चंदरसिंह सिसोदिया, पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़, गरोठ नगर परिषद अध्यक्ष राजेश सेठिया, पूर्व जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री मदनलाल राठौड़, पूर्व जिला अध्यक्ष मानसिंह माच्छैपुरिया, डॉ. आनंद जैन, जैन श्वेतांबर संघ के अध्यक्ष अशोक गोखर तथा काका साहब की पुत्रवधू आशा हरसोरा सहित कई वरिष्ठ नेताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए स्व. हरसोला के राजनीतिक एवं सामाजिक योगदान को स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि स्व. हरकचंद जी ने भाजपा संगठन को सुदृढ़ बनाने, जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने और नगर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने समाजसेवा को अपने जीवन का ध्येय बनाकर सदैव सबके सुख-दुख में सहभागिता निभाई तथा अपनी सरलता, मिलनसार स्वभाव और नेतृत्व क्षमता से सभी वर्गों में विशिष्ट पहचान स्थापित की। कार्यक्रम में जीवन परिचय का वाचन श्री रमेश चौधरी गरोठ द्वारा किया गया तथा मंच संचालन भीमसेन वाधवा ने किया, वहीं देश-प्रदेश की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा भेजे गए शोक संदेशों का वाचन भी किया गया। शोकसभा में उपस्थित जनसमूह ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके आदर्शों एवं दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

स्प्रिंगवुड स्कूल में धूमधाम से मना जन्माष्टमी पर्व

नीमच।

स्प्रिंगवुड स्कूल नीमच में आज 14 अगस्त 2025 को प्री-प्रायमरी वर्ग के बच्चों ने उमंग उत्साह के साथ श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया । विद्यालय की प्राचार्या व डायरेक्टर डा. चारुलता चौबे ने श्री कृष्ण बाल गोपाल के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभांरभ किया ।

कक्षा नर्सरी से कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों ने कृष्ण-राधा, यशोदा व गोपियों की वेशभूषा में मनमोहक प्रस्तुतियां दी। कक्षा एल के जी के नन्हे-मुन्ने छात्र ''गोविंद बोलो, हरी गोपाल बोलो'' व यु के जी के बच्चो ने ''अलबेला मद नैनो वाला'', कक्षा 1 के बच्चो ने ''अच्चुतम केशवं, कक्षा दुसरी के विद्यार्थियो ने ''नटखट जमुना तट पर'' मनमोहक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। अंत में बच्चो ने मटकी फोड़ आयोजन में भाग लेकर भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर उप प्राचार्य राहुल पाल व प्रधानाध्यापक सुनील बागड़ी भी उपस्थित थे ।

स्वतंत्रता दिवस : आज कलेक्टर ध्वजारोहण कर लेंगे परेड की सलामी

नीमच।

जिले में आज 15 अगस्तल 2025 को स्वयतंत्रता दिवस समारोह परम्परांगत गरिमा उमंग और हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाएगा। मुख्य समारोह जिला मुख्यालय नीमच के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 पर आयोजित होगा।

जहां प्रातः 9 बजे कलेक्टखर हिमांशु चंद्रा ध्वजारोहण कर भव्य परेड की सलामी लेगें। जिले में स्वातंत्रता दिवस समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

स्वेतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले के सभी शासकीय कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं मे प्रातः 8 बजें ध्वजारोहण किया जाएगा। मुख्य समारोह में कलेक्टसर हिमांशु चंद्रा प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण कर आयोजित भव्य परेड की सलामी लेगें। इस मौके पर प्रदेश की जनता के नाम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा स्वयतंत्रता दिवस संदेश का वाचन किया जावेगा। जिसका भोपाल से सीधा प्रसारण जिला स्त्रीय समारोह में किया जावेगा। परेड में सशस्त्र पुलिस बल, जिला पुलिस बल के जवानों, वन विभाग, शौर्या दल एनसीसी,स्कोउट गाईड दल, रेडक्रास दल, एवं सीआरपीएफ एवं जिला पुलिस नीमच के बैण्डा की टुकडी भी शामिल होगी।

स्वेतंत्रता दिवस पर सामुहिक पीटी प्रदर्शन एवं विभिन्नफ विद्यालयों के छात्र-छात्राओं व्दाडरा रंगारंग देशभक्ति?पूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुसति भी दी जावेगी। समारोह में उत्कृष्टव कार्य करने वाले शासकीय सेवकों, खिलाडियों प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मुनित भी किया जावेगा।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति नीमच जिला- नीमच (म.प्र.)

क्रमांक / मंडी/ नि./ 25-26/435 नीमच दिनांक -12.08.2025

/ / निविदा आमंत्रण सूचना / /

प्रमुख अभियंता म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त (एकीकृत पंजीयन प्रणाली) पंजीकृत निविदाकारों से प्रतिशत दर आधार पर सिस्टम निविदाएँ क्रमांक 2025 MPSAM_444525_1 के अंतर्गत ऑनलाईन निविदाएँ दिनांक 16.08.2025 समय 10.30 से दिनांक 06.09.2025 को सायं 5.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल http//www.mptenders.gov.in/nicgep/app पर प्राप्त होगी. एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल http//www.mpmandiboard.gov.in पर भी अवलोकनीय होगी।

नोट- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर ही प्रदर्शित किया जायेगा।

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति,
नीमच जिला-नीमच (म.प्र.)

भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मण्डी समिति,
नीमच जिला-नीमच (म.प्र.)

सिस्ट्रो टेलीलिंक लिमिटेड

CIN: L19201MP1992PLC006925

पंजीकृत पता: 206, रॉयल हाईट्स, ए.बी. रोड इंदौर, मध्य प्रदेश, भारत, 452010 फोन : 0731-2555022
Fax No. : 0731-2555722, Email id: cistrotelelink@gmail.com, website : cistrotelelink.com

30.06.2025 को समाप्त तिमाही के गैर अंकेषित वित्तीय परिणाम रुपये लाख में

क्रमांक	विवरण	तिमाही समापन 30.06.2025		(31.03.2025) (क्रम 2 देट तिमाही वित्तिय इयर दीएंड)	तिमाही समापन 30.06.2024
		गैर अंकेषित		अंकेषित	गैर अंकेषित
1.	संचालनो से कुल आय	2.15		13.03	5.41
2.	अवधि का शुद्ध लाभ/ (हानि) (असाधा एवं/अथवा असाधारण मदों पा कर से पूर्व)	-9.17		-16.46	-4.69
3.	कर पूर्व अवधि का शुद्ध लाभ/ (हानि) (असाधा एवं/ असाधारण मदों के पश्चात)	-9.17		-16.46	-4.69
4.	कर पश्चा अवधि का शुद्ध लाभ/ (हानि) (असाधा एवं/ अथवा असाधारण मदों के पश्चात)	-9.17		-16.46	-4.69
5.	अवधि की कुल व्यापक आय (अवधि के संमिलित लाभ/(हानि) (कर पश्चा एवं अन्य व्यापक आय (कर पश्चात)	-9.17		-16.46	-4.69
6.	इक्विटी शेयर पूंजी	513.43		513.43	513.43
7.	रिजर्व (पूर्व- मूल्यांकित रिजर्व को छोड़कर) जैसा कि गत वर्ष की अंकेषित बैलेंस शीट में दर्शाया गया है	-232.73		-232.73	-216.27
8.	प्रतिशेयर आय (प्रत्येक 1/- रुपया)				
	(चालू एवं बंद संचालनो बाबत)				
	(क) बेसिक	-0.01		-0.03	0.00
	(ख) डाईलूटेड	-0.01		-0.03	0.00

नोटः 1. उपरोक्त विवरण स्टॉक एक्सचेंज में सेबी (**लिस्टिंग आब्लीगेशंस एण्ड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स**) के रेग्युलेशंस 2015 के विनियम 33 के अनतर्गत दाखिल तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सार है। तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत परिणाम स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाईट www.bseindia.com(s) एवं कम्पनी वेबसाईट पर भी उपलब्ध है। 2. गत अवधि के आंकड़ों को जहां-जहां आवश्यक हुआ, वहां-वहां पुनः वर्गीकृत व पुनः समूहीकृत किया गया है।

सिस्ट्रो टेलीलिंक लि. वर्कि
हस्त/-
नाम: अरुण कुमार शर्मा (निदेशक)
DIN No.: 00 369461

तिथि: 14/08/2025
स्थान: इन्दौर